231580

AECHN-25

Reg. No. | | | | | | | | |

II Semester B.C.A./B.Sc. (Fad) All B.C.A. Courses Degree Examination, May/June - 2026

LANGUAGE HINDI

Kavya Lahari, Vaigyanikon Ka Parichay Aur Sankshepan

(SEP Scheme Freshers and Repeaters 2024-25 Onwards)

Paper - II

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में लिखिए। **(10×1=10)**

1) कबीर के अनुसार किसके नाम लेने से हम पाप कर्मों से मुक्त हो सकते हैं?

2) पूतना ब्रज में क्यों आई?

3) मीरा किसे अपना प्रियतम मानती है?

4) बच्चों से भूखे क्या छीन रहे थे?

5) घोंसलों से निकलकर आसमान में कौन उड़ान भर रहे हैं?

6) कवि के हाथ कहाँ टंगे रह गए?

7) सभाजन किसके दुःख से दुखी हैं?

8) प्रतिकूल परिस्थिति ने क्या चूर-चूर कर दिया?

9) गल जाने पर भी किसका विश्वास अमर हो जाता हैं?

10) 'विदेह' कविता के कवि का नाम लिखिए।

P G Library
SRN Adarsh College
Chamarajpet,
Bengaluru-560018

II. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्ही दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(2×7=14)**

1) सोभित कर नवनीत लिए।
घुटुरुनि चलत रेनु तन मंडित,मुख दधि लेप किए।
चारू कपोल,लोल लोचन,गोरोचन-तिलक दिए।
लट-लटकनि मनु मत्त मधुप-गन मादक मधुहिं पिए।
कठुला-कंठ,बज्र केहरि-नख,राजत रूचिर हिए।
धन्य सूर एकौ पल इहिं सुख,का सत कल्प जिए।

2) देहहीन जीवन की कल्पना तो
भारतीय संस्कृति का सार है
पर क्या उसमें यह थकान भी शामिल है
जो मुझ अंगहीन को दबोचे ही जाती है?

[P.T.O.

थी उग्र साधना, पर जिनका
जीवन नाटक दुखान्त हुआ;
था जन्म-काल में सिंह लग्न
पर कुसमय ही देहान्त हुआ।
-उनको प्रणाम।

P G Library
SRN Adarsh College
Chamarajpet,
Bengaluru-560018

III. निम्नलिखित कविताओं में से किन्हीं दो कविता का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (2×15=30)

1) बहुत अच्छा लगता है मुझे।
2) उनको प्रणाम।
3) रावण का पुत्रशोक।

IV. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर टिप्पणी लिखिए।। (1×6=6)

1) विदेह।
2) भूख।

V. निम्नलिखित में से किसी एक वैज्ञानिक का परिचय दीजिए। (1×10=10)

1) होमीबाबा।
2) रंगराजन्।

VI. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए। (1×10=10)

जीवन के हर क्षेत्र में अनुशासन की बहुत आवश्यकता पडती हैं। अनुशासन के बिना व्यक्ति और समाज का विकास संभव नहीं है। पूरी सृष्टि और ब्रह्मांड भी एक निश्चित अनुशासन और नियमों में बंधा हुआ है। यदि सूर्य,चन्द्रमा और नक्षत्र अपने अनुशासन का पालन करें,तो संसार में प्रलय आ जाएगी। इसी प्रकार,जिस व्यक्ति के जीवन में अनुशासन नहीं होता, वह कभी भी अपने लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर पाता और उसका जीवन बिखर जाता है।